ASSAM UNIVERSITY, SILCHAR

हिन्दी विभाग

नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत
चतुर्वर्षीय स्नातक – पाठ्यक्रम

2023 - 2024

DEPARTMENT OF HINDI

CURRICULUM

FOR

FYUG Programme

Under NEP-2020

2023-24

Semester wise list of Hindi DSC (Discipline Specific Core) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	HINDSC101	HINDI SAHITYA KA ITIHAS (REETI KAL TAK)	3
	HINDSC102	AADIKALEEN EVAM MADHYAKALEEN HINDI KAVITA	3
II	HINDSC151	HINDI SAHITYA KA ITIHAS (ADHUNIK KAL TAK)	3
	HINDSC152	ADHUNIK HINDI KAVITA (CHAYAVAD TAK)	3
III	HINDSC201	SAMANYA BHASHA VIGYAN	4
	HINDSC202	BHARTIYA KAVYASHASTRA	4
IV	HINDSC251	CHHAYAVADOTTAR HINDI KAVITA	4
	HINDSC252	PASHCHATYA KAVYASHASTRA	4
	HINDSC253	HINDI KAHANI	4
V	HINDSC301	HINDI EKANKI AUR NATAK	4
	HINDSC302	HINDI ALOCHANA	4
	HINDSC303	HINDI UPANYAS	4
VI	HINDSC351	SAHITYAKAR VISHESH : KABIRDAS	4
	HINDSC352	SAHITYAKAR VISHESH : PREMCHAND	4

	HINDSC353	LOK SAHITYA	4
	HINDSC354	HINDI NIBANDHA AUR GADYA KI ANYA VIDHAYIEN	4

Semester wise list of Hindi DSM (Discipline Specific Minor) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	HINDSM101	HINDI SAHITYA KA ITIHAS	3
II	HINDSM151	HINDI SAHITYA KA ITIHAS	3
III	HINDSM201	HINDI RACHANA KOSHAL	3
IV	HINDSM251	ADHUNIK HINDI KAVITA	3
	HINDSM252	HINDI GADYA SAHITYA	3
V	HINDSM301	CHHAYAVADOTTAR HINDI KAVITA	3
	HINDSM302	HINDI GADYA KI ANYA VIDHAYIEN	3
VI	HINDSM351	BHASHA SHIKSHAN	3

Semester wise list of Hindi SEC (Skill Enhancement Course) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	HINSEC-101	HINDI BHASHA KA VYAVHARIK VYAKARAN	3
II	HINSEC-151	VIGYAPAN KLA AVAM TAKNEEK	3

III	**HINSEC-201**	**KARRYALAYEE HINDI**	3
V	**HINSEC-303**	**FIELD WORK**	2

Semester wise list of Hindi IDC (Interdisciplinary Course) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	**HINIDC101**	**SAHITYA OR CINEMA**	3
II	**HINIDC151**	**LOK SAHITYA**	3
III	**HINIDC201**	**HINDI BHASHA AVAM SAHITYA**	3

Semester wise list of Hindi AEC (Interdisciplinary Course) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	**HINAEC101**	**HINDI COMMUNICATION**	2
III	**HINAEC201**	**HINDI BHASHA AVAM SAHITYA KI VIDHAYIEN**	2

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
First Semester
DSM-101
Credit - 3

हिन्दी साहित्य का इतिहास

HINDI SAHITYA KA ITIHAS

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से समुचित रूप से परिचित करवाना है। किसी भाषा के साहित्य के इतिहास का अध्ययन उस भाषा में खुद को अभिव्यक्त करने वाले समाज के ऐतिहासिक एंव सांस्कृतिक विकास यात्रा को देखने समझने का एक उपक्रम है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी साहित्य के विकास क्रम एवं उन्हें निर्मित करने वाले तत्वों को विस्तृत रूप से जान पाएंगे एवं इसके आलोक में वे विभिन्न प्रकार की साहित्यक कृतियों का अध्ययन और मूल्यांकन कर पाएंगे।

इकाई एक : कालविभाजन, नामकरण एवं आदिकाल

1.1– हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण।
1.2– आदिकाल की परिस्थितियाँ ।
1.3– आदिकालीन प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय।
1.4– आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई दो : भक्तिकाल एवं रीतिकाल

2.1– भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि।
2.2– प्रमुख निर्गुण एवं सूफी कवियों का सामान्य परिचय। संत काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा सूफी प्रेमकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
2.3– प्रमुख सगुण कवियों का सामान्य परिचय तथा सगुण भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।
2.4– रीतिकाल की परिस्थितियाँ। रीतिकाल के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय। रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई तीन : भारतेन्दु युग,द्विवेदी युग एवं छायावाद

3.1– आधुनिक काल के उदय कीं पृष्ठभूमि।
3.2– भारतेन्दु और उनका युग। भारतेन्दु युगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ।
3.3– महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग। द्विवेदी युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

3.4– छायावाद–युग। प्रमुख छायावादी कवियों का सामान्य परिचय। छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। राष्ट्रीय–सांस्कृतिक काव्यधारा का **सामान्य** परिचय।

इकाई चार : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं साठोत्तरी कविता

4.1– प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता,नई कविता एवं साठोत्तरी कविता और उसके प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय ।

4.2– प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता,नई कविता एवं साठोत्तरी कविता की प्रवृत्तियाँ।

इकाई पाँच : हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएँ

5.1– हिंदी कहानी के विकास का सामान्य परिचय।

5.2– हिंदी उपन्यास के विकास का सामान्य परिचय।

5.3– हिंदी नाटकों के विकास का सामान्य परिचय।

5.4– हिंदी निबंधों के विकास का सामान्य परिचय।

5.5– हिंदी आलोचना के विकास का सामान्य परिचय।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : DSM-101 : हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. नाथ संप्रदाय : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं0), साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ0 कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

6. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. रीति काव्य के विविध आयामः डॉ0 सुधीन्द्र कुमार, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँः डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
10. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. नई कविता : डॉ0 देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न0 दिल्ली।
13 साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना : नरेन्द्र सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ल
14. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा , काशी।
15. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0नगेन्द(सं.), मयूर पेपर बैक्स, ए–95,सैक्टर–5,नौएडा –1
16. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
17. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
19. हिंदी रीति साहित्य : डॉ0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा : डॉ0 चन्द्र शेखर, राजपाल एण्ड सन्ज , कश्मीरी गेट, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)

HINDI

First Semester

AEC/MIL- 101

Credit - 2

HINDI COMMUNICATION

हिन्दी संप्रेषण

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को संप्रेषण के प्रकार, प्रक्रिया के रूप में हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित करना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी संप्रेषण के प्रमुख माध्यम के रूप में हिन्दी भाषा के तत्वों को जान पाएंगे तथा हिन्दी भाषा की व्याकरणिक संरचना से अवगत हो पाएंगे।

इकाई एक : संप्रेषण और उसका स्वरूप

1.1– संप्रेषण का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्त्व

1.2–संप्रेषण के प्रकार : वाचिक संप्रेषण एवं अवाचिक संप्रेषण। प्रत्यक्ष संप्रेषण (एक व्यक्ति, एक से अधिक व्यक्तिओं से, समूह से) एवं अप्रत्यक्ष संप्रेषण(रेडियो, टी. वी समाचारपत्र आदि द्वारा) तथा मौखिक संप्रेषण और लिखित संप्रेषण्ज्ञं

इकाई दो : संप्रेषण की प्रक्रिया

2.1– संप्रेषण की प्रक्रिया। मौखिक संप्रेषण के स्तर : श्रवण, उच्चारण, वाचन, पुनश्चर्या, बोधन, वार्तालाप, वर्णन, पुनराभिव्यक्ति, प्रश्नोत्तर, भाषण, वाद–विविवाद, परिचर्चा आदि।

2.2– प्रभावशाली संप्रेषण के तत्व : शब्द चयन एवं वाक्य रचना, उच्चारण, स्वरनियंत्रण, अनुतान, बलाघात, लय, गति, माधुर्य, हाव–भाव एवं मुद्राएँ तथा विषयानुकूल शैली।

इकाई तीन : हिंदी की वर्ण और शब्द व्यवस्था का परिचय

3.1 – हिंदी की स्वर और व्यंजन ध्वनियाँ तथा मानक वर्तनी।

3.2 –संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का सामान्य परिचय।

3.3–हिंदी में शब्द रचना (उपसर्ग, प्रत्यय, समास और संधि)। विलोम और पर्यायवाची शब्द।

इकाई चार –हिंदी वाक्य रचना

4.1.– वाक्य और उपवाक्य।

4.2– अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य भेद। वाक्य रूपांतरण।

इकाई पाँच : रचना कौशल

5.1– किसी यात्रा या समारोह का वर्णन

5.2– सामान्य पत्र लेखन
5.3– सार लेखन अथवा पल्लवन

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 02 क्रेडिट का है।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 50 अंकों का है। मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 50 अंक निर्धारित हैं।
3. मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 18 अंक हैं। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि 2 घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से 2 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से 2 लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा प्रत्येक इकाई से 4 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगें।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा 1 लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा और 3 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पच्चीस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक(5 X 2 =25) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (5 X 2 = 10) निर्धारित हैं और प्रत्येक अति-लघुउत्तरीय प्रश्न के लिए 1 अंक (15 X 1=15) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी संप्रेषण

1. व्यावहारिक व्याकरण और वार्तालाप :चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी, केंद्रीय हिंदी संस्थान,
2. हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005।
3. प्रयोजन मूलक हिंदी और पत्रकारिता , डॉ निदेश प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. अभिव्यक्ति विज्ञान : भोलानाथ तिवारी तथा कृष्णदत्त शर्मा
5. हिंदी रचना और व्याकरण : रमानाथ सहाय, रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, एनसीईआरटी, दिल्ली।
6. मौखिक कौशल खंड–1 एवं खंड–2 रवी प्रकाश गुप्त और अजेय पंडित, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005।
7. संप्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और स्वरूप : सुरेश कुमार
8. भाषा प्रौद्योगिकी : सुभाष चौधरी, डी.पी.एस. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली–52।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
First Semester
SEC -101
Credit - 3
HINDI BHASHA KA VYAVHARIK VYAKARAN
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के व्यवहारिक व्याकरण से अवगत कराना तथा हिन्दी भाषा –रचना के प्रकार एवं प्रक्रिया का सम्यक बोध कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा के स्वरूप, वर्गीकरण आदि के साथ-साथ देवनागरी लिपि, शाब्दिक व्यवस्था, वाक्य विन्यास, पदबंध आदि के विकास, विशेषता एवं वैज्ञानिक प्रक्रिया की समझ विकसित कर पाएंगे।

इकाई एक : भाषा और व्याकरण

1.1 – भाषा की परिभाषा, भाषा के अंग एवं भाषा की विशेषताएँ।
1.2 – व्याकरण की परिभाषा एवं महत्त्व।
1.3 – भाषा और व्याकरण का अंतः संबंध।

इकाई दो : हिंदी की ध्वनि व्यवस्था, हिंदी की लिपि एवं वर्तनी

2.1 –हिंदी भाषा ध्वनि के भेद (स्वर और व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण, अनुस्वार और अनुनासिकता)। संधि, अक्षर एवं उच्चारण शैली(बलाघात, अनुतान एवंसंगम)।
2.2 – देवनागरी लिपि एवं उसकी विशेषताएँ। देवनागरी हिंदी वर्णमाला और उसका मानकीकरण। वर्तनी से अभिप्राय एवं शुद्ध वर्तनी का महत्त्व।
2.3 – हिंदी शब्दों में अशुद्ध वर्तनी के प्रयोग के मुख्य कारण तथा हिंदी शब्दों की वर्तनीगत शुद्ध रूप।

इकाई तीन : हिंदी में शब्द और शब्द–वर्ग

3.1 – शब्द की अवधारणा, शब्द और वाक्य, शब्द और पद।
3.2 – शब्दों के प्रमुख वर्गीकरण यथा स्रोत के आधार पर (तत्सम,तद्भव, देशज एवं विदेशी), अर्थ के आधार पर (एकार्थी, अनेकार्थी, समानार्थी या पर्याय तथा विलोम), रचना के अधार पर (रूढ़, यौगिक एवं योगरूढ़) तथा रूपविकार के आधार पर (विकारी एवं अविकारी) की सामान्य जानकारी।
3.3 – हिंदी में शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ : संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण

और क्रिया (केवल परिभाषा और भेद)। लिंग, वचन और कारक।

3.4 – हिंदी में अव्यय : क्रियाविशेषण, समुच्च्यबोधक,संबंध बोधक , विस्मयादिबोधक एवं निपात की सामान्य जानकारी।

इकाई चार : हिंदी में शब्द–रचना

4.1 –शब्द रचना और उसका महत्त्व। रूपसाधक रचना और शब्दसाधक रचना तथा इनमें अंतर।

4.2 – शब्दरचना की युक्तियाँ : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास एवं युग्म–पुनरूक्त शब्द।

4.3 – शब्दगत अशुद्धियाँ एवं उनके शुद्ध रूप।

इकाई पाँच : वाक्य विचार

5.1 – वाक्य की अवधारणा , वाक्य के घटक एवं वाक्य रचना के तत्व।

5.2– हिंदी में पाये जाने वाले प्रमुख वाक्यसाँचे।

5.3 – पदबंध और उनके प्रकार : संज्ञापदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध एवं क्रियाविशेषण पदबंध ।

5.4– वाक्य के भेद : अर्थ के आधार पर एवं रचना के आधार पर वाक्य भेद।

5.5– वाक्य रूपांतरण : संरचना की दृष्टि से, अर्थ की दृष्टि से एवं वाच्य की दृष्टि से वाक्य रूपांतरण।

5.6 – वाक्यगत अशुद्धियाँ और उनके शुद्धरूप ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 02 क्रेडिट का है।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 50 अंकों का है। मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 50 अंक निर्धारित हैं।
3. मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 18 अंक हैं। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि 2 घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से 2 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से 2 लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा प्रत्येक इकाई से 4 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगें।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा 1 लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा और 3 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पच्चीस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक(5 X 2 =25) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (5 X 2 = 10) निर्धारित हैं और प्रत्येक अति-लघुउत्तरीय प्रश्न के लिए 1 अंक (15 X 1=15) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप : चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी प्रकाशक– केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)
2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : स0 चतुर्भुज सहाय अरुण चतुर्वेदी प्र0 केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)
3. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : प्र0 स0 महावीर सरन जैन, केन्द्रीय हिंदीसंस्थान आगरा।
4. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण : रमेश मेहरोत्रा : वाणी प्रकाशन दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
First Semester
IDC -101
Credit - 3
HINDI SAHITYA OR CINEMA
हिन्दी साहित्य और सिनेमा

इकाई एक : सिनेमा और समाज

1–संचार माध्यम और सिनेमा।
2–सिनेमा के इतिहास का सामान्य परिचय।
3–सिनेमा के सरोकार।

इकाई दो : हिंदी कथा साहित्य और सिनेमा

1–हिंदी सिनेमा के विकास का संक्षिप्त परिचय।
2–हिंदी सिनेमा में हिन्दी उपन्यासों और कहानियों के फिल्मांतरण की परंपरा।
3–हिन्दी उपन्यासों और कहानियों पर बनी हिंदी फिल्मों के अध्ययन के विभिन्न पहलू।

इकाई तीन :हिन्दी साहित्य और उस पर आधारित फिल्मों का अध्ययन - I

1– शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद) – फिल्म : शतरंज के खिलाड़ी (निर्देशक – सत्यजित रे)

2– तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु) – फिल्म : तीसरी कसम (निर्देशक – बासु चटर्जी)

इकाई चार : हिन्दी साहित्य और उस पर आधारित फिल्मों का अध्ययन – II

1– उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी) – फिल्म : उसने कहा था(निर्देशक – मोनी भट्टाचार्जी)

2– गबन (प्रेमचंद) – फिल्म : गबन (निर्देशक – ऋषिकेश मुखर्जी)

इकाई पाँच : हिन्दी साहित्य और उस पर आधारित फिल्मों का अध्ययन – III

1– कोहबर की शर्त (केशव प्रसाद मिश्र) – फिल्म : नदिया के पार(निर्देशक – गोविंद मोनिस)

2– दामुल (शैवाल) – फिल्म : दामुल (निर्देशक – प्रकाश झा)

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम

उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।

4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से 2 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से 2 लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा प्रत्येक इकाई से 5 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगें।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा 1 लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा और 4 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पच्चीस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 8 अंक(5 X 8 =40) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (5 X 2 = 10) निर्धारित हैं और प्रत्येक अति-लघुउत्तरीय प्रश्न के लिए 1 अंक (20 X 1=20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथसूची : 555 : हिंदी साहित्य और सिनेमा

1. प्रहलादअग्रवालः हिन्दी सिनेमा बीसवीं से इक्कीसवीं सदी, साहित्य भंडार, इलाहाबाद।
2.अनुपम ओझा : भारतीय सिनेमा सिद्धान्त , राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3.विष्णु खरे : सिनेमापढ़ने के तरीके , प्रवीणप्रकाशन, दिल्ली।
4.मनमोहन चड्डा : हिन्दी सिनेमा का इतिहास, सचिनप्रकाशन, नई दिल्ली।
5.जवरीमल पारख : लोकप्रिय सिनेमा और समाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स , दिल्ली।
6.जवरीमल पारख : हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथशिल्पी, दिल्ली।
7.विनोद भारद्वाज : सिनेमा, कल , आजऔरकल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. अरुणकुमार : सिनेमा और हिन्दी सिनेमा।
9. राहीमासूमरजा : सिनेमाऔरसंस्कृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. डॉ. चंद्रकांतमिसाल : सिनेमाऔरसाहित्य के अन्तःसंबंध, हिन्दीसाहित्य निकेतन, 16 साहित्य विहार, बिजनौर (उ.प्र.)
11. नवलकिशोर शर्मा : सिनेमाऔरसाहित्य की संस्कृति, शिल्पायन,10295, लेन नं.1 वैस्टगोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली.32

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
First Semester
DSC -101
Credit - 3
HINDI SAHITYA KA ITIHAS
हिंदी साहित्य का इतिहास
(रीतिकाल तक)

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्येतिहास के आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक की विभिन्न परिस्थितियों, प्रवृत्तियों से परिचित कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकाल के विभिन्न कवियों, काव्य-धाराओं एवं इनके विविध पक्षों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

इकाई एक : साहित्येतिहास लेखन

1.1- हिंदी साहित्य के इतिहास में काल - विभाजन एवं नामकरण की समस्या (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल के संदर्भ में)।

1.2- आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक)

1.3 - आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण (सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य तथा रासो साहित्य एवं लौकिक साहित्य) तथा उसका सामान्य परिचय ।

1.4 - आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ |

इकाई दो : भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

2.1 - भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, आर्थिक, आर्थिक, धार्मिक एवं दार्शनिक)

2.2- भक्ति आंदोलन के उदय के कारण ।

2.3- भक्ति आंदोलन के प्रमुख वैचारिक पक्षों का सामान्य परिचय |

इकाई तीन : निर्गुण भक्तिकाव्य परंपरा

3.1- निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। निर्गुण ज्ञानमार्गी संत कविं कबीरदास।

3. 2- निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। निर्गुण प्रेममार्गी कवि के रूप में मलिक मुहम्मद जायसी।

इकाई चार : सगुण भक्तिकाव्य परंपरा

4.1 - रामभक्ति काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं रामभक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। रामभक्त काव्य परंपरा में कवि तुलसीदास का वैशिष्ट्य।

4.2 - कृष्ण भक्ति काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं कृष्णभक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ अष्टछाप एवं कवि सूरदास। कृष्ण भक्त कवि के रूप में रसखान एवं कवयित्री मीराबाई।

इकाई पाँच : रीतिकालीन काव्य :

5.1- रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक एवं दरबारी, सामाजिक, सांस्कृतिक,धार्मिक एवं साहित्यिक) एवं रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय।

5.2- रीतिकाल के प्रमुख कवियों (केशवदास, देव, पद्माकर, बिहारी, घनानंद एवं भूषण का सामान्य परिचय | रीतिवादी एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस

प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : DSC 101: हिदी साहित्य का इतिहास – (रीतिकाल तक)

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. आदिकालीन हिंदी साहित्य : डॉ० शंभूनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
4. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1 एवं भाग 2, : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी ।
5. नाथ संप्रदाय और निर्गुण संत काव्य : कोमल सिंह सोलंकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
6. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं०), साहित्य भवन, इलाहाबाद
7. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
8. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ० कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
10. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
11. भक्ति काव्य का समाज दर्शन: प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
12. मन खंजन किसके : मध्यकालीन साहित्य, संस्कृति और मूल्यांकन, रमेश कुंतल मेघ वाणी प्रकाशन, न. दि. ।
13. मध्यकालीन कवि और कविता: रतन कुमार, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53
14. भक्ति आन्दोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्त काव्य : सुरेश चन्द्र, अमन प्रकाशन, कानपुर, उ.प्र. ।
15. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
16. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द (सं.), मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सैक्टर-5, नौएडा - 1
18. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
19. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
First Semester
DSC-102
Credit - 3
AADIKALEEN EVAM MADHYAKALEEN HINDI KAVITA
आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को आदिकालीन एवं मध्यकालीन समाज के साहित्य, भाषा व संस्कृति का बोध कराना है तथा परंपरा के आलोक में इतिहास एवं दर्शन की गहन समझ को विकसित कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी विद्यापति आदिकालीन एवं मध्यकालीन समाज के साहित्य, भाषा एवं संस्कृति से अवगत हो पाएंगे तथा युगीन कवियों, साहित्यकारों के काव्य के विविध पक्षों से परिचित होंगे।

इकाई एक : विद्यापति, चन्द्रबरदाई (कयमासवध – आरम्भिक पाँच पद), अमीर खुसरो (प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल पद संख्या 1, 2, 3, 4, 5)

इकाई दो : सन्त कबीर एवं मालिक मोहम्मद जायसी

क -सन्त बाबीर प्रस्तावित पाठ्य पुस्तका से निर्धारित पाठ कुल दस साखी एवं पाँच सबद

साखी संख्या - 01, 05 : 08, 10, 12, 13, 14, 18, 22, 23

सबद संख्या - 2, 4, 7, 11 एवं 12

ख - मलिक मुहम्मद जायसी

प्रस्तावित पाठ पुस्तक से निर्धारित पाठ 1. नागमती वियोग खण्ड – बारहमासा के अंतर्गत प्रारंभ से पाँचवे दोहे तक तथा कथा का आध्यात्मिक रूपक

इकाई तीन : सूरदास एवं गोस्वामी तुलसीदास

क – सूरदास

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल नौ पद

विनय और भक्त से दो पद संख्या - 02. एवं 06 |

रूपमाधुरी और बाललीला से तीन पद संख्या - 11.13 एवं 14

मथुरा-गमन एवं भ्रमरगीत से चार पद संख्या - 17. 20, 21

ख - तुलसीदास

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ : 'रामचरित मानस'

शीर्षक से अजय रथ तथा विनय पत्रिका शीर्षक से तीन पद संख्या - 02 03 एवं 05

इकाई चार : मीराबाई और रसखान,

क- मीरांबाई

प्रस्तावित पाठ पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल छह पद पद संख्या 1,2,6,10,14,18

ख-रसखान प्रस्तावित पाठ पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल छह पद पद संख्या 3,4,5,6,8,101

इकाई पाँच : बिहारी एवं घनानन्द

क - बिहारी

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल सोलह दोहे ।

(01, 02, 11, 12, 17, 21, 26, 38, 41, 44, 48, 50)

ख - घनानन्द

प्रस्तापित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल छह पद

पद संख्या 01, 02, 03, 04, 09 एवं 10

(प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक 'काव्य संचयन' से डॉ चमन लाल गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2)

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

1. कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन : सं० बलदेव वंशी आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा ।
2. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. कबीर और उनका दर्शन : डॉ० रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान दरियागंज, न० दिल्ली ।
4. कबीर विजयेन्द्र स्नातक राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. हिंदी की निर्गुण काव्ययधारा और कबीर डॉ० राजदेव सिंह आलेख प्रकाशन, नवीन शाहदरा, दिल्ली-321
6. जायसी विजयदेव नारायण हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद। 7. मलिक मुहम्मद जायसी डॉ० कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
18. जायसी का अभिप्रत आशयः विजय शंकर मिश्र, साहित्य सहकार, दिल्ली। 9. सूरदास और उनका साहित्य हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
10. सूर साहित्य डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. सूरदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली। 12. महाकवि सूरदास आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली।
13. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य : डॉ० मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

14. तुलसी एक पुनर्मूल्यांकन सं० अजय तिवारी, आधार प्रकाशन पंचकूला, हरियाणा।
15. तुलसी की साहित्य साधना : डॉ० लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली।
16. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
17 तुलसी उदय भानु सिंह राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. विनय पत्रिका एक मूल्यांकन : हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
19. गोस्वामी तुलसीदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
20. रामचरित मानस : एक साहित्यिक मूल्यांकन : सुधाकर पाण्डेय राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. विद्यापति ठाकुर उमेश मिश्र हिन्दुस्तानी एकेडेमी. इलाहाबाद । 22. विद्यापति शिव प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
23. विद्यापति के गीत सं० नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 24. विद्यापति का काव्यलोक श्री नरेन्द्र नाथ दास बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
25. विद्यापति अनुशीलन और मूल्यांकन (दो खण्डों में) डॉ० वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना। 26. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
SECOND SEMESTER
DSC-151
Credit - 3
HINDI SAHITYA KA ITIHAS

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

उद्देश्य : प्रस्तुत पत्र के अध्ययन से हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल की परिस्थितियों व प्रवृत्तियों के आलोक में आधुनिक काल के उद्भव और विकास का विस्तृत परिचय प्राप्त करवाना होगा।

उपलब्धि : इस पाठ्य-क्रम के अध्ययन उपरान्त विद्यार्थी भारतेन्दु-युग, द्विवेदी-युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नई कविता के परिवेश एवं उनकी प्रवृत्तियों से अवगत हो पाएंगे। प्रमुख गद्य विधाओं जैसे नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास एवं आलोचना इत्यादि के स्वरूप एवं विकासक्रम से परिचित हो पाएंगे।

इकाई एक : आधुनिककाल के साहित्य की पृष्ठभूमि तथा भारतेंदु युग एवं द्विवेदी युग

1.1- हिंदी साहित्य के संदर्भ में आधुनिक काल और उसके उदय की पृष्ठभूमि।

1.2 - भारतेन्दु युग : भारतेन्दु और उनका मण्डल। भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

1.3- द्विवेदी युग महावीर प्रसाद द्विवेदी और सरस्वती पत्रिका द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त एवं अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का सामान्य परिचय।

इकाई दो : छायावाद उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद

2.1- छायावाद की पृष्ठभूमि । छायावादी काव्य के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय। छायावादी काव्य की प्रवृत्तियाँ उत्तरछायावादी काव्य परिवेश और प्रवृत्तियाँ।

2.2- प्रगतिवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि प्रमुख प्रगतिवादी कवियों का सामान्य परिचय। प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

2.3- 'तार सप्तक' और प्रयोगवाद प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई तीन : नयी कविता, साठोत्तरी कविता और समकालीन कविता :

3.1- नयी कविता का नामकरण एवं नयी कविता का आरंभ। नयी कविता काव्यधारा का विकास और उसके प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

3.2- साठोत्तरी कविता की पृष्ठभूमि साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों ।

3.3- समकालीन कविता समकालीनता से अभिप्राय एवं समकालीन कविता का स्वरूप। समकालीन काव्य की मूल प्रवृत्तियाँ।

इकाई चार : हिंदी कहानी, उपन्यास तथा हिंदी गद्य की अन्य विधाओं का उद्भव और विकास

4.1 - हिंदी कहानी के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

4.2 - हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

4.3 - हिंदी गद्य की अन्य प्रमुख विधाओं (जीवनी साहित्य, आत्मकथा, संस्मरण और रेखाचित्र आदि)के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय।

इकाई पाँच : हिंदी नाटक, निबंध और आलोचना का उद्भव और विकास

5.1- हिंदी नाटक के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय |

5.2- हिंदी निबंध के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय |

5.3 - हिंदी आलोचना के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक

(5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : DSC – 151 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुभ नागरी प्रचारणी सभ काशी।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास मयूर पेपर बैस, ए-05. सैक्टर-5, नौएडा -1
3. हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बीसवी शताब्दी का हिंदी साहित्य विजय मोहन सि राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ डॉ० नामवर सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
8. समकालीन कविता की प्रवृत्तियों डॉ० रामकली सरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन वारणसी।
9. आधुनिकतावाद दुर्गा प्रसाद गुप्ता, अनंग प्रकाशन, उत्तरी पोण्डा दिल्ली-13
10. छायावाद डॉ० नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
11. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य प्रेमशंकर वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास : कॉ० कर्णसिंह चौहान प्रकाशन संस्थान दरियागंज, नई दिल्ली।
13. प्रगतिशील कविता कल और आज डॉ० रतन कुमार विश्वविद्यालय प्रकाशन
14 प्रयोगवाद नई कविता और नवीन मोहम्मद इम्तियाज श्री. अनंग प्रकाशन, उत्तरी पोण्डा, दिल्ली
15. नई कविता, डॉ० देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16 नयी कविता की चिंतन भूमि - उषा चौहान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. नयी कविता और अस्तित्ववाद, डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन न

दिल्ली।
18. साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना, नरेन्द्र सिंह वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
19. साहित्य और विचारधारा, ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा. लि. पंचकूला, हरियाणा
20. भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
21. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष रतन कुमार पाण्डेय विश्वविद्यालय प्रकाशन वारणसी।
22. साहित्य और विचारधारा ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा. लि. पंचकूला, हरियाणा
23. समकालीन हिंदी कविता विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन नईदिल्ली।
24. कविता और संवेदना विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन विदिशा म०प्र०
25. समकालीन काव्य यात्रा नन्दकिशोर नवल किताबघर नवी दिल्ली।
26. कविता में समकाल रेवतीरमण, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र०
27. समकालीन लेखन में यथार्थवाद और जनवाद आनंद प्रकाश(स) लोकमित्र प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली।
28. समकालीन कविता प्रश्न और जिज्ञासाएँ आनंद प्रकाश (स). लोकमित्र प्रकाशन शाहदरा, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
SECOND SEMESTER
SEC -151
Credit - 3

VIGYAPAN KLA AVAM TAKNEEK
विज्ञापन कला एवं तकनीक

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को विज्ञापन कला एवं तकनीक से अवगत कराना है। विज्ञापन के विविध माध्यमों प्रिंट, रेडियो एवं टेलिविजन आदि के व्यवहारिक एवं तकनीकी पक्षों से परिचित कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा में विज्ञापन के स्वरूप और संरचना से परिचित होने के साथ-साथ विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया को विभिन्न माध्यमों के अनुरूप तकनीकी रूप से समझ सकेंगे।

इकाई –एक : विज्ञापन सामान्य परिचय

1.1– विज्ञापन के इतिहास और विकास का सामान्य परिचय।
1.2– विज्ञापन की परिभाषा एवं स्वरूप।
1.3– विज्ञापन का उद्देश्य। विज्ञापन की उपयोगिता , महत्व और प्रभाव।
1.4– विज्ञापन के प्रकार ।

इकाई –दो : विज्ञापन माध्यम

2.1– विज्ञापन के विविध माध्यमों का सामान्य परिचय : प्रिंट माध्यम, रेडियो माध्यम एवं टेलिविजन माध्यम।
2.2 – विज्ञापन के विविध माध्यमों (प्रिंट माध्यम, रेडियो माध्यम एवं टेलिविजन माध्यम) के गुण एवं सीमाएँ।

इकाई तीन : विज्ञापन की भाषा : स्वरूप और संरचना

3.1 – विज्ञापन की भाषा के गुण या विशेषताएँ।
3.2– विज्ञापन की भाषा का स्वरूप : विज्ञापन में प्रयुक्त होने वाले शब्दों की प्रकृति तथा शब्दों के अभिधात्मक, लाक्षणिक एवं व्यंजनार्थक प्रयोग।
3.3 – विज्ञापन में हिंदी पदबंधों का प्रयोग :संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं क्रिया विशेषण पदबंधों का प्रयोग ।
3.4 – विज्ञापन में हिंदी वाक्यों (संरचना आधारित एवं अर्थ आधारित) के प्रयोग।

इकाई चार : विज्ञापन की भाषा के अन्य विविध पक्ष

4.1– विज्ञापन में भाषा कें शैलीविज्ञानपरक प्रयोग : विचलन एवं समानान्तरता।

4.2 – विज्ञापन की भाषा में कोड– मिश्रण।
4.3 – विज्ञापन में सादृश्य विधान, अलंकारों, मानवीकरण का प्रयोग।
4.4 – विज्ञापन की भाषा में तुकान्तता और लयात्मकता।

इकाई पाँच : विज्ञापन – निमार्ण

5.1 – विज्ञापन –निर्माण से पूर्व तैयारी तथा माध्यम का चयन। चयनित माध्यम के लिए कापी लेखन।
5.2 – प्रिंट मीडिया के लिए लिए विज्ञापन निर्माण का अभ्यास – ले आउट, ले आउट तैयार करते समय ध्यान रखने योग्य बातें तथा ले आउट संबंधी सिद्धान्त (अनुपात, गति, एकता, विरोध एवं संतुलन) ।
5.3 – ले आउट के प्रमुख तत्व :– कापी एवं कापी अपील, शीर्ष पंक्ति, उपशीर्ष पंक्ति, विज्ञापन पाठ सामग्री, चित्र, व्यापारिक चिन्ह, हस्ताक्षर, सफेद जगह, सीमा रेखाएँ, विज्ञापन कथ्य एवं टाइप– विन्यास ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 02 क्रेडिट का है।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 50 अंकों का है। मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 50 अंक निर्धारित हैं।
3. मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 18 अंक हैं। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि 2 घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से 2 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से 2 लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा प्रत्येक इकाई से 4 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगें।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा 1 लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा और 3 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पच्चीस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक(5 X 2 =25) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (5 X 2 = 10) निर्धारित हैं और प्रत्येक अति-लघुउत्तरीय प्रश्न के लिए 1 अंक (15 X 1=15) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : SEC -151 - विज्ञापन कला एवं तकनीक

1. डॉ. प्रेचंद पातंजलि – आधुनिक विज्ञापन , वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, नयी दिल्ली.02
2. मधु धवन – विज्ञापन कला, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली –02
3. डॉ. रेखा सेठी – विज्ञापन डॉट काम, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली–02
4. जनसंपर्क , प्रचार एवं विज्ञापन, विजय कुलश्रेष्ठ

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)

IDC-151

Credit - 3

LOK SAHITYA

लोक साहित्य

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को लोक की सभ्यता, संस्कृति, रीति, नीति, कला, साहित्य के आलोक में परंपरागत ज्ञान के सैद्धांतिक और व्यवहारिक पक्षों का विश्लेषणात्मक परिचय कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी लोक साहित्य की अवधारणा व स्वरूप के साथ-साथ लोक कथा, लोक नाटक, लोक गीत, लोक सुभाषित की प्रकृति से परिचित हो पाएंगे।

इकाई एक : लोक साहित्य अवधारणा एवं स्वरूप

लोक की अवधारणा, 'फोकलोर' शब्द की अवधारणा, लोक संस्कृति और लोक साहित्य, लोक-साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण।
लोक-साहित्य का वर्गीकरण लोकगीत, लोकगाथा, लोकनाट्य और लोकसुभाषित। लोक साहित्य का महत्व।

इकाई दो : लोकगीत

लोकगीत और उनका वर्गीकरण- संस्कारों की दृष्टि से, ऋतुओं की दृष्टि से, व्रतों के आधार पर श्रम के आधार पर देवी-देवताओं आदि के आधार पर तथा उनकी सोदाहरण विशेषताएँ।

इकाई तीन : लोकगाथा एवं लोक कथा

-लोक गाथा का स्वरूप लोक गाथाओं की विशेषताएँ लोक गाथाओं के प्रकार।
- लोक-कथा का स्वरूप एवं परंपरा लोक कथाओं का वर्गीकरण लोककथाओं की विशेषताएँ ।

इकाई चार : लोक नाट्य

लोक नाट्य का स्वरूप लोक नाट्यों की विशेषताएँ ।

इकाई पाँच : लोक सुभाषित

- लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ, पालने के गीत, बाल-गीत एवं खेल के गीत

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से 2 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से 2 लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा प्रत्येक इकाई से 5 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगें।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा 1 लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा और 4 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पच्चीस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 8 अंक(5 X 8 =40) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (5 X 2 = 10) निर्धारित हैं और प्रत्येक अति-लघुउत्तरीय प्रश्न के लिए 1 अंक (20 X 1=20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : IDC - 151 लोक साहित्य

1. लोक साहित्य की भूमिका. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रा. लिमिटेड, के. पी. कक्कड रोड, इलाहाबाद।
2. भारतीय लोक साहित्यः परम्परा और परिदृश्य डॉ. विद्या सिन्हा
3. साहित्य, डॉ. सत्येन्द्र
4. हिंदी का जनपदीय साहित्य, डॉ. विद्यानिवास मिश्र

FYUG SYLLUBUS (NEP - 2020)
HINDI
SECOND SEMESTER
DSC-152
Credit - 3
ADHUNIK HINDI KAVITA (CHAYAVAD TAK)

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

उद्देश्य : इस पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को आधुनिक काल की राष्ट्रीय एवं सास्कृतिक चेतना के आलोक में आधुनिक हिन्दी कविता के उद्भव और विकास का विस्तृत परिचय प्राप्त करवाना होगा।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता के प्रतिनिधि कवियों के साहित्यिक एव भाषिक वैशिष्ट से परिचित होंगे। साहित्य, समाज एवं प्रकृति के रागात्मक संबंधों तथा आधुनिक हिन्दी कविता के नवीन सौंदर्यबोध का विस्तृत अवलोकन कर सकेंगे।

इकाई एक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ

1. भारत वीरत्व 2. हिन्दी भाषा शीर्षक से निर्धारित 12 दोहे : दोहा क्रमांक 01 04, 09, 12, 14, 20, 21, 25. 29, 30, 39 एवं 43
3. यमुना शोभा से पारम्भिक तीन पद ।

इकाई दो : मैथिलीशरण गुप्त

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ 1. कैकेयी अनुताप, 2. यशोधरा, व्यापार शीर्षक कविता से प्रारंभिक दस पद ।

इकाई तीन: जयशंकर 'प्रसाद' प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :

1. श्रद्धा 2. निर्वेद 3. हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो-

इकाई चार : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ

1. जुही की कली 2. सरोज स्मृति 3. जागो फिर एक बार (1 एवं 2)

इकाई पाँच : महादेवी वर्मा एवं सुमित्रानंदन पंत

क. महादेवी वर्मा - प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित चार कविताएँ :

1. मैं नीर भरी दुख की बदली. 2. पिक, हौले-हौले बोल 3. अपरिचित पथ,

4. चुभते ही तेरा अरुण बान

ख. सुमित्रानंदन पंत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ

1. प्रथम रश्मि 2. नौका विहार

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

1. हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ: डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद।
2. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अंत:सूत्र कृष्ण दत्त पालीवाल वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. मैथिली शरण गुप्त एक मूल्यांकन डॉ० नगेन्द, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कविता और संवेदना विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र० ।
6. प्रसाद निराला और पंत विजय बहादुर सिंह, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. प्रसाद का काव्य प्रेमशंकर राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

8. प्रसाद निराला, अज्ञेय डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
9. निराला डॉ० रामविलास शर्मा. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. निराला पुनर्मूल्यांकन ए० अरविंदाक्षन, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
11. निराला कवि-छवि: डॉ० नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
12. महादेवी : गंगाप्रसाद पाण्डेय, राजपाल एण्ड सन्ज कश्मीरी गेट दिल्ली।
13. महादेवी आधुनिक कवि भाग प्रकाशक साहित्य सम्मेलन प्रयाग। -
14. हिंदी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
15. हिंदी साहित्य का इतिहास सम्पादक: डॉ० नगेन्द, मयूर पेपर बैक्स, ए-95. सैक्टर-5, नौएडा -1
16. निराला का काव्य डॉ० बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन पंचकूला।
17. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा डॉ० रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन. इलाहाबाद।
18. महादेवी इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. आधुनिक प्रतिनिधि कवि, भाग -1 डॉ. हरिचरण शर्मा, मलिक एण्ड कम्पनी, 337चौड़ा रास्ता, जयपुर - 03.

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Second Semester
DSM -151
Credit - 3
HINDI BHASHA EVAM VYAKARAN
हिंदी भाषा एवं व्याकरण

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के व्यवहारिक व्याकरण से अवगत कराना तथा हिन्दी भाषा –रचना के प्रकार एवं प्रक्रिया का सम्यक बोध कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा के स्वरूप, वर्गीकरण आदि के साथ-साथ देवनागरी लिपि, शाब्दिक व्यवस्था, वाक्य विन्यास, पदबंध आदि के विकास, विशेषता एवं वैज्ञानिक प्रक्रिया की समझ विकसित कर पाएंगे।

इकाई एक : भाषा और व्याकरण

1.1 – भाषा की परिभाषा, भाषा के अंग एवं भाषा की विशेषताएँ।
1.2 – व्याकरण की परिभाषा एवं महत्त्व।
1.3 – भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध।

इकाई दो : हिंदी की ध्वनि व्यवस्था, हिंदी की लिपि एवं वर्तनी

2.1 –हिंदी भाषा ध्वनि के भेद (स्वर और व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण, अनुस्वार और अनुनासिकता)। संधि, अक्षर एवं उच्चारण शैली(बलाघात, अनुतान एवंसंगम)।
2.2 – देवनागरी लिपि एवं उसकी विशेषताएँ। देवनागरी हिंदी वर्णमाला और उसका मानकीकरण। वर्तनी से अभिप्राय एवं शुद्ध वर्तनी का महत्त्व।
2.3 – हिंदी शब्दों में अशुद्ध वर्तनी के प्रयोग के मुख्य कारण तथा हिंदी शब्दों की वर्तनीगत शुद्ध रूप।

इकाई तीन : हिंदी में शब्द और शब्द–वर्ग

3.1 – शब्द की अवधारणा, शब्द और वाक्य, शब्द और पद।
3.2 – शब्दों के प्रमुख वर्गीकरण यथा स्रोत के आधार पर (तत्सम,तद्भव, देशज एवं विदेशी), अर्थ के आधार पर (एकार्थी, अनेकार्थी, समानार्थी या पर्याय तथा विलोम), रचना के अधार पर (रूढ़, यौगिक एवं योगरूढ़) तथा रूपविकार के आधार पर (विकारी एवं अविकारी) की सामान्य जानकारी।
3.3 – हिंदी में शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ : संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण और क्रिया (केवल परिभाषा और भेद)। लिंग, वचन और कारक।

इकाई चार : हिंदी में शब्द–रचना

4.1 –शब्द रचना और उसका महत्त्व। रूपसाधक रचना और शब्दसाधक रचना तथा इनमें अंतर।

4.2 – शब्दरचना की युक्तियाँ : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास एवं युग्म–पुनरूक्त शब्द।

4.3 – शब्दगत अशुद्धियाँ एवं उनके शुद्ध रूप।

इकाई पाँच : वाक्य विचार

5.1 – वाक्य की अवधारणा , वाक्य के घटक एवं वाक्य रचना के तत्व।

5.2– हिंदी में पाये जाने वाले प्रमुख वाक्य साँचे।

5.3 – पदबंध और उनके प्रकार : संज्ञा पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध एवं क्रियाविशेषण पदबंध ।

5.4– वाक्य के भेद : अर्थ के आधार पर एवं रचना के आधार पर वाक्य भेद।

5.5– वाक्य रूपांतरण : संरचना की दृष्टि से, अर्थ की दृष्टि से एवं वाच्य की दृष्टि से वाक्य रूपांतरण।

5.6 – वाक्यगत अशुद्धियाँ और उनके शुद्धरूप ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप : चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी
प्रकाशक– केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)

2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : स0 चतुर्भुज सहाय अरुण चतुर्वेदी प्र0 केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)
3. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : प्र0 स0 महावीर सरन जैन, केन्द्रीय हिंदीसंस्थान आगरा।
4. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण : रमेश मेहरोत्रा : वाणी प्रकाशन दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Third Semester
DSC -201
Credit - 4
SAMANYA BHASHA VIGYAN
सामान्य भाषा विज्ञान

इकाई एक :1.1– भाषा की परिभाषा तथा विशेषताएं ।
2.1– भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं क्षेत्र।
3.1– संसार की भाषाओं के वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक) का सामान्य परिचय।
3.4– आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय।

इकाई दो : 2.1 – ध्वनि विज्ञान, ध्वनि अध्ययन के आधार : उच्चारण, प्रसरण और श्रवण।
2.2 – स्वर और व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण। खंड्येत्तर ध्वनियाँ।
2.3– स्वनिम विज्ञान : स्वन, संस्वन और स्वनिम।
2.4– ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशाएं।

इकाई तीन : 3.1– रूप विज्ञान : रूप, संरूप और रूपिम।
3.2—शब्द, रूप तथा पद की संकल्पना।
3.3– रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं,

इकाई चार : 4.1– अर्थ विज्ञान : शब्द–अर्थ सम्बन्ध।
4.2– अर्थ परिवर्तन : कारण तथा दिशाएं।

इकाई पाँच : 5.1– वाक्य विज्ञान : वाक्य की अवधारणा, वाक्य के अंग।
5.2– वाक्य रचना : पदक्रम, अन्वय, आगम एवं लोप।
5.3– वाक्य में परिवर्तन : कारण एवं दिशाएं।

निर्देश : HIN(Hon) Core-301 सामान्य भाषाविज्ञान

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम

उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।

4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : : सामान्य भाषाविज्ञान

1. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : डॉ कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. सामान्य भाषा विज्ञान : नारंग वैश्ना, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
3. स्वनिम विज्ञान और हिंदी की स्वनिम व्यवस्था शारदा भसीन, आर्य बुक डिपो नयी दिल्ली।
4.. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली।
5.हिंदी भाषा का रूपिमीय विश्लेषण : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा, अंशुकमल प्रकाशन, पटना।
6.संरचनात्मक भाषाविज्ञान : भारतभूषण चौधरी, संजीव प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, थानेसर।
7.हिंदी और उसकी विविध बोलियाँ : दीपचंद्र जैन तथा कैलाश तिवारी, म0 प्र0 हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
8. भाषा विज्ञान : राजमणि तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Third Semester
DSC -202
Credit - 4
BHARTIYA KAVYASHASTRA
भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई एक : काव्य की अवधारणा एवं भारतीय काव्य सिद्धान्तों (संप्रदायों) का विकास

1.1–भारतीय दृष्टि से काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु एवं काव्य–प्रयोजन।

1.2– भारतीय काव्य सिद्धान्तों (संप्रदायों) के विकास का सामान्य परिचय ।।

इकाई दो : रससिद्धान्त (रस संप्रदाय)

2.1– रस की परिभाषा। रस का स्वरूप, रस के अवयव और रस के प्रकार।

2.2– रस सूत्र, रस निष्पत्ति और उसके प्रमुख व्याख्याकार।

2.3– साधारणीकरण।

इकाई तीन : अलंकार सिद्धान्त (संप्रदाय) एवं रीति सिद्धान्त (संप्रदाय)

3.1– अलंकार संप्रदाय(अलंकार सिद्धांत) : प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएँ। अलंकार की अवधारणा तथा अलंकारों के वर्गीकरण का सामान्य परिचय।

3.2– रीति संप्रदाय(रीति सिद्धान्त) : रीति' का अर्थ। रीति सिद्धान्त के प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएँ।

3.3–आचार्य वामन का गुण विवेचन, गुण–रीति संबंध, रीति के भेद।

इकाई चार : ध्वनि सिद्धान्त (संप्रदाय)

4.1– ध्वनि से अभिप्राय, प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएँ।

4.2– ध्वनि के तारतम्य के आधार पर काव्य के भेद

इकाई पाँच : वक्रोक्ति सिद्धान्त (संप्रदाय)एवं औचित्य सिद्धान्त (संप्रदाय)

5.1– वक्रोक्ति संप्रदाय(सिद्धान्त) के प्रवर्तक और मूल स्थापना ।

5.2– कुन्तक सम्मत वक्रोक्ति के प्रमुख भेद

5.3– औचित्य संप्रदाय (सिद्धान्त): प्रवर्तक, स्थापना एवं महत्त्व।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्यशास्त्र : डॉ़ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
2. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0रामचन्द्र तिवारी, लोकभारतीप्रकाशन,इलाहाबाद।
3. काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. रस सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण, आनंद प्रकाश दीक्षित, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 विश्वम्भवर नाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0रामचन्द्र तिवारी, लोकभारतीप्रकाशन,इलाहाबाद।
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Third Semester
DSM -201
Credit - 4
HINDI RACHANA KOSHAL
हिन्दी रचना कौशल

इकाई एक : निबंध लेखन

दिए हुए सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक, आर्थिक विषयों से संबधित निबंधों से किसी एक विषय पर निबंध लिखना।

इकाई दो : औपचारिक पत्राचार

2.1 – औपचारिक पत्राचार का अर्थ और महत्व। औपचारिक पत्राचार के प्रमुख अंग तथा औपचारिक पत्र लेखन की विशेषताएँ।

2.2 – प्रमुख प्रशासनिक पत्रों की विशेषताएँ और उनके प्रारूप : आवेदन पत्र, सूचना, स्मरणपत्र, कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचना, अर्धशासकीय पत्र एवं निविदा।

2.3 – प्रमुख वाणिज्यिक पत्र उनकी विशेषताएँ और उनके प्रारूप : पूछताछ के पत्र, कोटेशन पत्र, आदेशपत्र, शिकायती पत्र।

इकाई तीन – पारिभाषिक शब्दावली

3.1– पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार।

3.2– पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रवृत्तियाँ। परिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त।

3.3– कार्यालय, बैंक, वाणिज्य एवं प्रशासन में बहुप्रचलित अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली एवं वाक्यांशों के हिंदी पर्याय ।

इकाई चार – संक्षेपण एवं पल्लवन

4.1– संक्षेपण की अवधारणा एवं अच्छे संक्षेपण की विशेषताएं।

4.2– दिए हुए अनुच्छेद का संक्षेपण करना तथा उसका उपयुक्त शीर्षक देना।

4.3– पल्लवन की अवधारणा एवं अच्छे पल्लवन की विशेषताएं।

4.4– दी हुई सूक्तियों में से किसी एक को पल्लवित करना।

इकाई पाँच : हिंदी भाषा में अशुद्धि संशोधन

5.1 – हिंदी की वर्णिम व्यवस्था। हिंदी – वर्तनी के नियम। हिंदी में उच्चारणगत और वर्तनीगत अशुद्धियों के प्रमुख कारण – प्रकार तथा उन्हें शुद्ध करना यथा :

1.वर्ण रचना की जानकारी न होने कारण होने वाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना ।
2. वर्तनी और लेखन पद्धति का ज्ञान न होने के कारण होने वाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
3. ध्वनियों के ह्रस्व–दीर्घ, अल्पप्राण–महाप्राण, श–ष–स, य–ज, ड़–ढ़, ऐ–औ, ऋ–र, अनुस्वार (ं)औरअनुनासिकता (ँ) तथा रेफ (र्) का प्रयोग, ध्वनियों के लोप–आगम एवं विपर्यय आदि के ज्ञान केअभाव में होने वाली तत्संबधी उच्चारणगत एवं वर्तनीगत अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
4. कम प्रचलित शब्द की वर्तनी का अभ्यास न होने के कारण होने वाली वर्तनीगत अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।

5.2 – शब्दगत एवं वाक्यगत अशुद्धियों के प्रमुख कारण और उन्हें शुद्ध करना :

1. हिंदी शब्द–रचना प्रक्रिया के अंतर्गत होने वाले ध्वनि परिवर्तन (यथा उपसर्ग और प्रत्ययका संयोग, लिंग और वचन में परिर्वतन, अकर्मक–सकर्मक एवं प्रेरणार्थक क्रिया का परस्पर रूपान्तरण के अंतर्गत होने वाले ध्वनि परिवर्तन) के नियमों की जानकारी के अभाव में होनेवाली अशुद्धियाँ एवं उन्हें शुद्ध करना।
2. हिंदी शब्दों में ई, ए , यी, ये, ए का प्रयोग, जैसे नया, नयी , नई , नये, लिए आदि,से संबधी नियम।
3. हिंदी में शब्दों रूपों के स्तर पर होने वाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
4. हिंदी में वाक्य स्तर पर होने वाली अशुद्धियाँ : पदक्रम एवं अन्वित के नियमों की जानकारी न होने के कारण होने अशुद्धियाँ तथा वाक्यों को शुद्ध करना।
5. हिंदी में विराम चिह्न और उनके प्रयोग।

(इकाई पाँच के लिए आधार पाठ्य पुस्तक : देवनागरी लेखन तथा हिंदी वर्तनी व्यवस्था लेखक : डॉ लक्ष्मीनारायण शर्मा, प्रकाशक : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 5,उत्तर प्रदेश)

निर्देश : HINDI/MIL(HINDI)-I / 302 हिंदी रचना

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस

प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ :

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप : चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी
   प्रकाशक– केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)
2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : स0 चतुर्भुज सहाय अरुण चतुर्वेदी
   प्र0 केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)
3. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : प्र0 स0 महावीर सरन जैन, केन्द्रीय हिंदीसंस्थान आगरा।
4. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण : रमेश मेहरोत्रा : वाणी प्रकाशन दिल्ली।
5. औपचारिक पत्र लेखन : ओमप्रकाश सिंहल : किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. प्रशासनिक पत्राचार : सं डॉ0 सुरेश कुमार, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा।
7. पत्रव्यवहार निर्देशिका : डॉ 0 भोलानाथ तिवारी/ विजय कुलश्रेष्ठ ,वाणी प्रकाशन दिल्ली।
8. कार्यालयी हिंदी : डॉ 0 प्रमथ नाथ मिश्र , अयन प्रकाशन, मेहरोली।
9. राजभाषा कार्यालय सहायिका : डॉ0 प्रमथनाथ मिश्र, अयन प्रकाशन , 1/20 मेहरोली, नईदिल्ली
10. सरल निबंध लेखन : राजेश शर्मा , वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, नयी दिल्ली।
11. व्यावसायिक हिंदी : सं0 रहमतुल्लाह , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. व्यायसायिक संप्रेषण : अनूपचंद भामा जी , राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Third Semester
IDC -201
Credit - 3

HINDI BHASHA AVAM SAHITYA

हिन्दी भाषा एवं साहित्य

इकाई एक : हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

1.1– भाषा का स्वरूप- भाषाएँ और बोलियाँ।

1.2– हिन्दी भाषा का उद्भव।

1.3– खड़ीबोली हिन्दी का इतिहास।

इकाई दो : हिन्दी साहित्य का इतिहास

1.1– हिन्दी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन और नामकरण।

1.2– आदि काल का सामान्य परिचय।

1.3– भक्ति काल, रीतिकाल का सामान्य परिचय ।

1.4– आधुनिक काल का सामान्य परिचय

इकाई तीन : हिन्दी कविता

1.1– मैथिलीशरण गुप्त - सखी वे मुझसे कहकर जाते

1.2– जयशंकर प्रसाद - बीती विभावरी जाग री

1.3– सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - भिक्षुक

1.4– महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दुख की बदली

1.5- अज्ञेय - नाच

इकाई चार : हिन्दी कहानी

1.1– उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

1.2– हार की जीत - सुदर्शन

1.3– ईदगाह - प्रेमचंद

1.4– पाजेब - जैनेन्द्र

1.5- इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर - हरिशंकर परसाई

इकाई पाँच : हिन्दी नाटक एवं निबंध

1.1– अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

1.2– हिन्दी का सरलीकरण - राममनोहर लोहिया

1.3– संस्कृति - आचार्य नरेन्द्र देव

1.4– भाषा, बोली और पर्यावरण - अनुपम मिश्र

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से 2 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से 2 लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा प्रत्येक इकाई से 5 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगें।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा 1 लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा और 4 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पच्चीस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 8 अंक(5 X 8 =40) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (5 X 2 = 10) निर्धारित हैं और प्रत्येक अति-लघुउत्तरीय प्रश्न के लिए 1 अंक (20 X 1=20) निर्धारित हैं।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Third Semester
AEC -201
Credit - 2
HINDI BHASHA AVAM SAHITYA KI VIDHAYIEN
हिन्दी भाषा एवं साहित्य की विधाएँ

इकाई एक : हिंदी भाषा और उसके रूप
– हिंदी का अर्थ एवं हिंदी के विकास का सामान्य परिचय।
– हिंदी भाषा के विविध रूपों का सामान्य परिचय, विशेषताएँ एवं उनका महत्व यथा : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा।

इकाई दो : कहानी, उपन्यास – परिभाषा तत्व और विशेषताएँ।

इकाई तीन : निबंध, नाटक और एकांकी – परिभाषा, तत्व और विशेषताएँ।

इकाई चार : हिंदी गद्य
नोट : इस इकाई से केवल पाठ केन्द्रित प्रश्न ही पूछे जायेंगे।
पाठ्य पुस्तक : गद्य–गौरव' सं0 उर्मिला मोदी
प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन,चौक,वाराणसी–221001(यू0पी0)
निर्धारित पाठ :

1. सुजान भगत (कहानी) : श्री प्रेमचंद
2. भारतीय संस्कृति (लेख) : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
3. राजभाषा और राष्ट्रभाषा (लेख) : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
4. शिवाजी का स्वरूप(एकांकी) : सेठ गोविन्ददास

P

इकाई पाँच : हिंदी काव्य
नोट : इस इकाई से केवल पाठ केन्द्रित प्रश्न ही पूछे जायेंगे।
पाठ्य पुस्तक : 'काव्य सौरभ' सं0–पुरुषोत्तम मोदी
प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन,चौक,वाराणसी–221001(यू0पी0)
निर्धारित पाठ :

1. मैथिली शरण गुप्त : उर्मिला, शुभ–कामना शीर्षक कविताएँ।
2. प्रसाद : भारतवर्ष, बीती विभारी जाग री शीर्षक कविताएँ।

3. निराला : संध्या–सुन्दरी शीर्षक कविता ।
4. दिनकर : जनतन्त्र का जन्म शीर्षक कविता।
5. अज्ञेय : नदी के द्वीप शीर्षक कविता।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 02 क्रेडिट का है।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 50 अंकों का है। मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 50 अंक निर्धारित हैं।
3. मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 18 अंक हैं। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि 2 घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से 2 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से 2 लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा प्रत्येक इकाई से 4 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगें।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा 1 लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा और 3 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पच्चीस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक(5 X 2 =25) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (5 X 2 = 10) निर्धारित हैं और प्रत्येक अति-लघुउत्तरीय प्रश्न के लिए 1 अंक (15 X 1=15) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. साहित्य विधाओं की प्रकृति : डॉ0 देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।–
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
3 हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
4 हिंदी के आधुनिक प्रतिनिध कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5.आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ तिवारी , राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
6.कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह , : रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँः डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली।
9. अंलकार मुक्तावली : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारती भवन, पटना।
10. काव्यांग कौमुदी : आ0 विश्वनाथ प्रसाद , वाणी प्रकाशन , दिल्ली।
11. शब्द शक्ति विवेचन : डॉ रामलखन गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Third Semester
SEC -201
Credit - 3
KARRYALAYEE HINDI
कार्यालयी हिन्दी

इकाई एक : संघ की राजभाषा नीति

1.1—संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी एवं तत्संबंधी संवैधानिक व्यवस्थाएँ : अनुच्छेद 341से 351 ।

1.2—राजभाषा अधिनियम 1963 तथा राजभाषा अधिनियम 1976(यथासंशोधित 1987) के प्रमुख प्रावधान।

1.3— राजभाषा नीति का अनुपालन एवं राजभाषा संबंधी वार्षिक कार्यक्रम।

इकाई दो : प्रारूपण

2.1— प्रारूपण की अवधारणा एवं स्वरूप। प्रारूप के भेद एवं महत्व। प्रारूपण के अंग।

अच्छे प्रारूपण की विशेषताएँ ।

2.2— प्रमुख औपचारिक पत्रों की अवधारणा तथा उनकी विशेषताएँ। प्रमुख औपचारिक पत्रों

के प्रारूप यथा : शासकीय पत्र, अर्धसरकारी पत्र, ज्ञापन, आदेश, परिपत्र, अधिसूचना,

अनुस्मारक, पृष्ठांकन, संकल्प, निविदा, विज्ञापन एवं संविदा।

इकाई तीन : टिप्पण

3.1— टिप्पण लेखन से तात्पर्य। टिप्पण के प्रकार। अच्छे टिप्पण लेखन की विशेषताएँ।

टिप्पण लेखन की विधि एवं अच्छे टिप्पण लेखन के उदाहरण।

3.2— टिप्पण लेखन में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख वाक्यांश।

इकाई चार : परिभाषिक शब्दावली

4.1 — पारिभाषिक शब्दावली से तात्पर्य एवं उसकी विशेषताएँ। परिभाषिक शब्दावली के प्रकार।

4.2— पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त। पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रकृति।

4.3–कार्यालय, प्रशासन, बैकों एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली और
उनके हिंदी पर्याय।

इकाई पाँच : कार्यालयी अनुवाद

5.1– अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप। अनुवार के प्रकार– शब्दानुवाद, भावानुवाद एवं सारानुवाद।

5.2– धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले पत्रों का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद।

5.3 –कार्यालयों, बैकों एवं रेलवे में बहुप्रचलित पारिभाषिक शब्दावली, वाक्यांशों तथा टिप्पणियों
के अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 02 क्रेडिट का है।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 50 अंकों का है। मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 50 अंक निर्धारित हैं।
3. मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 18 अंक हैं। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि 2 घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से 2 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से 2 लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा प्रत्येक इकाई से 4 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगें।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा 1 लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा और 3 अति-लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पच्चीस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक(5 X 2 =25) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (5 X 2 = 10) निर्धारित हैं और प्रत्येक अति-लघुउत्तरीय प्रश्न के लिए 1 अंक (15 X 1=15) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची: कार्यालयी हिन्दी

1. प्रशासनिक पत्राचार : सं. डॉ. सुरेश कुमार, प्र. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
2. प्रशासनिक हिन्दी : डॉ. पूरनचंद टण्डन, पुनीत एन्टर प्राइजिज,गोल मार्केट, नई दिल्ली।
3. पारिभाषिक शब्दावली की विकास यात्रा : सं. डॉ गार्गी गुप्ता, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली।
4. कार्यालयी अनुवाद निदेशिका : डॉ. गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
5. कार्यालयी हिन्दी : डॉ. प्रमथनाथ मिश्र, अयन प्रकाश, मेहरोली।
6. राजभाषा कार्यालय सहायिका : डॉ. प्रमथनाथ मिश्र, अयन प्रकाशन दिल्ली।
7. राजभाषा नीति कार्यान्वयन : हरिबाबू कंसल, सुधांशु प्रकाशन, ई– 9/23, वसंत बिहार, नई दिल्ली–57 ।
8. कार्यालयी प्रवीणता : हरिबाबू कंसल, सुधांशु प्रकाशन, ई– 9/23, वसंत बिहार, नई दिल्ली–57 ।
9. कार्यालयी भाषा व्यवहार : डॉ. विचार दास सुमन, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग, दंगल झाल्टे,वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली–02
11. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गादरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली–02
12. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धान्त और व्यवहार, रघुनंदन प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी–01

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Forth Semester
DSC -251
Credit - 4
CHHAYAVADOTTAR HINDI KAVITA
छायावादोत्तर हिन्दी कविता

इकाई एक : हरिवंशराय'बच्चन', रामधारीसिंह 'दिनकर'

अ– हरिवंशराय'बच्चन' : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ
1. इस पार–उस पार 2. पथ की पहचान 3. लहरों का निमंत्रण।

ब– रामधारी सिंह 'दिनकर': प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ
1. हिमालय 2. प्रभाती 3. कुन्ती और कर्ण ।

इकाई दो : नागार्जुन एवं भवानी प्रसाद मिश्र

अ– नागार्जुन : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ
1.कालिदास, 2.बादल को घिरते देखा है, 3 तुम किशोर , तुम तरुण...।

ब–भवानी प्रसाद मिश्र : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1. लुहार से 2. गाँव, 3. गीत फरोश ।

इकाई तीन : स. ही. वा. 'अज्ञेय', एवं मुक्तिबोध

अ– अज्ञेय : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1 .बाबरा अहेरी 2.कलगी बाजरे की 3.यह दीप अकेला ।

ब– मुक्तिबोध : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ :
1.दूर तारा 2. खोल आँखें ।

इकाई चार : शमशेर बहादुर सिंह एवं सर्वेश्वरदयान सक्सेना

अ– शमशेर : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ :
1 घिर गया समय का रथ 2. बात बोलेगी

ब–सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
सुहागिन का गीत 2 .सौन्दर्यबोध 3.विवशता

इकाई पाँच : धूमिल एवं केदारनाथ सिंह

अ– धूमिल : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1 मोचीराम ।

ब– केदारनाथ सिंह : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1. रोटी 2.**सुई और तागे के बीच में** 3. बनारस ।

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : आधुनिक काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह,
प्रस्तुतकर्ता–केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा, प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

P.T.O.

निर्देश : HIN(Hon) Core-302

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : छायावादोत्तर हिंदी कविता

1. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी : वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. नागार्जुन : सं0 प्रभाकर माचवे, राजपाल एण्डसन्ज़ कश्मीरी गेट, दिल्ली।
4. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. कवियों का कवि शमशेर : सविता भार्गव, स्वजराज्य प्रकाशन नयी दिल्ली।
6. तार सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
7. दूसरा सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
8. तीसरा सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
9. अज्ञेय कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद , वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली।
10. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा : नंद किशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
11. भवानी प्रसाद मिश्र : सं0 विजय बहादुर सिंह, राजपाल एण्ड सन्ज़ कश्मीरी गेट, दिल्ली।
12. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार : कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।
14. समकालीन काव्य यात्रा : नन्दकिशोर नवल, किताबघर , नयी दिल्ली।
15. कुँवरनारायण – संसार : यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन , नयी दिल्ली।
16. आधुनिक प्रतिनिधि कवि, भाग –1 : डॉ. हरिचरण शर्मा, मलिक एण्ड कम्पनी, 337चौड़ा रास्ता, जयपुर – 03
17. आधुनिक प्रतिनिधि कवि, भाग –2 : डॉ. हरिचरण शर्मा, मलिक एण्ड कम्पनी, 337चौड़ा रास्ता, जयपुर – 03

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Forth Semester
DSC -252
Credit - 4
PASHCHATYA KAVYASHASTRA
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई एक : प्लेटो एवं अरस्तू

1.1– प्लेटो : प्लेटो का काव्य (कला) संबंधी दृष्टिकोण : काव्य–सत्य, काव्य–सृजन प्रक्रिया, काव्य प्रसूत भाव प्रवणता, काव्य का स्वरूप एवं काव्य–प्रयोजन।

1.2– अरस्तू : अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त , अनुकरण की परिभाषा, अनुकार्य अथवा अनुकरण का विषय, कवि अनुकरण और काव्य–सत्य।

1.3–अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त :'विरेचन' शब्द का प्रयोग, विरेचन सिद्धान्त की विभिन्न व्याख्याएँ।

इकाई दो : लोंजाइनस (लोंगिनुस) एवं क्रोचे

2.1– लोंजाइनस (लोंगिनुस) : लोंजाइनस की उदात्त विषयक अवधारणा । उदात्त का स्वरूप। उदात्त के स्रोत। उदात्त के बाधक तत्व।

2.2–क्रोचे : क्रोचे का अभिव्यजंनावाद का सिद्धान्त

इकाई तीन : वर्डसवर्थ एवं कालरिज

3.1– वर्डसवर्थ : काव्य संबंधी अवधारणा। काव्य का प्रयोजन। काव्यभाषा विषयक अवधारणा।

3.2– कालरिज : कल्पना संबधी सिद्धान्त । कविता एवं काव्य–भाषा संबंधी दृष्टिकोण।

इकाई चार : टी.एस. इलियट

4.1– टी. एस. इलियट : परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा । निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त। वस्तुनिष्ठ समीकरण एवं भावबोध वियोजन।

इकाई पाँच : आई. ए. रिचर्ड्स

5.1– आई. ए. रिचर्ड्स : काव्य प्रकृति। काव्य–मूल्य का सिद्धान्त। संप्रेषण सिद्धान्त। काव्यभाषा सिद्धान्त।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ : सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0रामचन्द्र तिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. पाश्चात्य साहित्य चिंतनः सं0 निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद : डॉ0 भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. प्लेटो के काव्य सिद्धान्त : निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : सं. डॉ. नगेन्द्र और डॉ. सावित्री सिन्हा, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Forth Semester
DSC -252
Credit - 4
HINDI KAHANI
हिन्दी कहानी

इकाई एक : कहानी की परिभाषा, कहानी के तत्व, हिंदी कहानी के प्रकार और उनकी विशेषताएँ।

इकाई दोः चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, जयशंकर प्रसाद एवं प्रेमचंद

निर्धारित कहानीकारों की निम्नलिखित कहानियाँ :

1– चन्द्रधर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था
2– जयशंकर प्रसाद : आकाशदीप
3– प्रेमचंद : कफन

इकाई तीन : जैनेन्द्र कुमार, अज्ञेय एवं रांगेय राघव

निर्धारित कहानीकारों की निम्नलिखित कहानियाँ :

1– जैनेन्द्र कुमार : पत्नी
2– अज्ञेय : गैंग्रील
3– रांगेय राघव : गदल

इकाई चार : फणीश्वरनाथ रेणु, धर्मवीर भारती एवं अमरकान्त

निर्धारित कहानीकारों की निम्नलिखित कहानियाँ :

1– फणीश्वरनाथ रेणु : लाल पान की बेगम
2– धर्मवीर भारती : गुलकी बन्नो
3– अमरकान्त : सेब

इकाई पाँच : निर्मल वर्मा, कमलेश्वर एवं उषा प्रियम्वदा

निर्धारित कहानीकारों की निम्नलिखित कहानियाँ :

1– निर्मल वर्मा : पहाड़
2– कमलेश्वर : दिल्ली में मौत
3– उषा प्रियम्वदा : वापिसी

प्रस्तावित पाठ पुस्तक : कथान्तर, संपादक : परमानंद श्रीवास्तव एवं गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भग्रंथ सूची :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र ,मयूर पेपरबैक्स ए–95 सेक्टर –नौएडा –1
5 .कहानी : नयी कहानी : डॉ0 नामवर सिंह ,लोकभारती द्वारा राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
6. . हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य : विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. हिंदी कहानी बीसवीं शताब्दी : डॉ0 श्याम गोविन्द, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली –53
9.. हिंदी कहानी परम्परा और प्रगतिः डॉ0 हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10.. कहानी अनुभव और अभव्यक्तिः राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11.. हिंदी कहानी बीसवीं शताब्दी – डॉ0 श्याम गोविन्द : अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली–53
12. जनवादी कहानी पृष्ठभूमि से पुनर्विचार तकः रमेश उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Forth Semester
DSM -251
Credit - 3
ADHUNIK HINDI KAVITA
आधुनिक हिन्दी कविता

इकाई एक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवं मैथिलीशरण गुप्त

क– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ :
' हिन्दी भाषा ' शीर्षक से निधारित 12 दोहे :
दोहा क्रमांक : 01, 04, 09, 12, 14, 20, 21, 25, 29, 30, 39 एवं 43 ।

ख– मैथिलीशरण गुप्त : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ :
तीन कविताएँ : 1.उर्मिला 2. यशोधरा –(1) एवं (2)

इकाई दो : जयशंकर 'प्रसाद' एव सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

क– जयशंकर 'प्रसाद' : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ :
चार कविताएँ : 1. निर्वेद 2.हे लाज भरे सौंदर्य बाता दो , 3.ले चल मुझे भुलावा देकर
4. अरुण यह मधुमय देश हमारा ।

ख– सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ :
चार कविताएँ :1.जुही की कली, 2.संध्या सुन्दरी, 3.भिक्षुक 4.जागो फिर एक बार (2)

इकाई तीन : सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा

क– सुमित्रानंदन पंत : प्रस्तावित पाठ पुस्तक से निर्धारित पाठ :
दो कविताएँ : 1. प्रथम रश्मि कविता के प्रारंभिक पाँच चरण 2.भारत माता
ख – महादेवी वर्मा : प्रस्तावित पाठ पुस्तक से निर्धारित पाठ :
तीन कविताएँ 1. मैं नीर भरी दुख की बदली, 2. पिक, हौल–हौले बोल
एवं 3. अपरिचित पथ ।

इकाई चार : सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्यायन 'अज्ञेय' एवं गजानन माधव ' मुक्तिबोध'

क– सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्यायन 'अज्ञेय' : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ :
तीन कविताएँ :1. बावरा अहेरी, 2.कलगी बाजरे की एवं 3. यह दीप अकेला।
ख– गजानन माधव ' मुक्तिबोध : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ :
दो कविताएँ 1. खोल आँखें 2. मृत्यु और कवि ।

इकाई पाँच : नागार्जुन एवं नरेश मेहता

क– नागार्जुन : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ :
दो कविताएँ : 1. तर्पण 2. तुम किशोर तुम तरुण ।

ख– नरेश मेहता : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ :
तीन कविताएँ : 1. किरन–धेनुएँ 2. विडम्बना 3. एक बोध ।

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : **आधुनिक काव्य संग्रह,** सं. रामवीर सिंह,
प्रस्तुतकर्ता–केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा, प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : आधुनिक हिंदी कविता

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्र0 नयी दिल्ली।
2. मैथिली शरण गुप्त : एक मूल्यांकन, डॉ0 नगेन्द्र
3. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ तिवारी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।
5. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र, कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. मैथिली शरण गुप्त एक मूल्यांकन : डॉ0 नगेन्द, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकनः विनोद शाही, आधार प्रकाशन, प्रा0 लि0 पंचकूला (हरियाणा)
8. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. निराला का काव्य : डॉ0 बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन पंचकूला।
10. निराला : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. निराला : कवि–छवि : डॉ0 नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
12. प्रसाद, निराला और पंत : विजय बहादुर सिंह, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
14. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. मुक्तिबोध की कविताई : अशोक चक्रधर राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Forth Semester
DSM -251
Credit - 3

HINDI GADYA SAHITYA

हिन्दी गद्य साहित्य

इकाई एक : उपन्यास

'निर्मला' (प्रेमचंद)

इकाई दो : कहानी

निम्नलिखित चार कहानियाँ :

1.उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी)

2.पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद)

3.पूस की रात (प्रेमचंद)

4.वापिसी (उषा प्रियंवदा)

(पाठ्य पुस्तकः हिन्दी की प्रतिनिधि कहानियाँ, सं. डॉ. कृष्णा रैणा,वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली–02)

इकाई तीन : निबंध :

निम्नलिखित तीन निबंध

1.उत्साह (रामचंद्र शुक्ल)

2.हमारी श्रृंखला की कड़ियाँ (महादेवी वर्मा)

3.अशोक के फूल (हजारीप्रसाद द्विवेदी)

(पाठ्य पुस्तकः निबंध–संकलन , सं.डॉ रामकली सराफ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

इकाई चार : नाटक

अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चंद्र)

इकाई पाँच : एकांकी

निम्नलिखित दो एकांकी

1. भोर का तारा (जगदीशचंद्र माथुर)
2. औरंगजेब की आखिरी रात (डॉ. रामकुमार वर्मा)

(पाठ पुस्तक : एकांकी सप्तक, सं0 डॉ. चम्पा श्रीवास्तव एवं प्रो. राजेन्द्र कुमार, लोकभारती प्र. इला.)

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा

सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथसूची

1.प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2.हिंदी उपन्यास : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन जगत् : प्रो0 के0 डी0 पालीवाल, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4.निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी : उषा सिन्हा, किताबघर, नयी दिल्ली– 17
5.हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
6. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना : सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली।
7. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Fifth Semester
DSC -301
Credit - 4
HINDI EKANKI AUR NATAK
हिन्दी एकांकी और नाटक

इकाई एक : नाटक और एंकाकी की परिभाषा। नाटक एवं एकांकी के तत्व। हिंदी नाटक एवं एकांकी के प्रकार एवं उनकी विशेषताएँ।

इकाई दो : नाटक

अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र)

इकाई तीन : नाटक

'ध्रुवस्वामिनी' (जयशंकर प्रसाद)

इकाई चार : नाटक

'आधे अधूरे ' (मोहन राकेश)

इकाई पाँच : एकांकी

निम्नलिखित तीन एकांकी :

1. .भोर का तारा (जगदीशचन्द्र माथुर)
2. मम्मी ठकुराइन (लक्ष्मी नारायण लाल)
3. रीड की हड्डी (जगदीशचन्द्र माथुर)

(प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : 'एकांकी सप्तक' संपादक : डॉ. चम्पा श्रीवास्तव एवं प्रो. राजेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

निर्देश : HIN(Hon) Core-502

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम

उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।

4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भग्रंथ सूची :

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
2. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पनाः सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता, प्रों0 रमेश गौतम, स्वराज्य प्रकाशन।
8. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
9. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश : गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. मोहन राकेश के नाटकों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन : अब्दुल सुभान, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Fifth Semester
DSC -302
Credit - 4
HINDI ALOCHANA
हिन्दी आलोचना

इकाई एक : आलोचना की अवधारणा

1.1– आलोचना की अवधारणा। आलोचना के मुख्य प्रकार। आलोचक के गुण। आलोचना का महत्व।

1.2 – हिंदी आलोचना की परंपरा के विकास का सामान्य परिचय।

इकाई दो : शुक्ल पूर्व हिंदी आलोचना

2.1 – भारतेन्दु युगीन हिंदी आलोचना और उसकी विशेषताएँ।

2.2 – द्विवेदी युगीन हिन्दी आलोचना और उसकी विशेषताएँ। महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि।

इकाई तीन : आलोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल

3.1–हिन्दी आलोचना का शुक्ल युग। आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धान्त : रस सिद्धान्त के प्रति आचार्य शुक्ल की दृष्टि ।

3.2–आचार्य शुक्ल कृत व्यावहारिक समीक्षा का सामान्य परिचय। काव्य में लोकमंगल की साधना ।

इकाई चार : आ.हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं डॉ. नगेन्द्र

4.1.– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी चिंतन एवं आलोचना दृष्टि। आलोचक के रूप में आचाार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का मूल्याँकन।

4.2डॉ. नगेन्द्र की काव्य दृष्टि एवं साहित्यिक मान्यताएँ। रस सिद्धान्त की पुनर्व्याख्या। आलोचक के रूप में डॉ. नगेन्द्र का मूल्याँकन।

इकाई पाँच : आलोचक डॉ.रामविलास शर्मा एवं डॉ. नामवर सिंह

5.1– डॉ. रामविलास शर्मा : डॉ. रामविलास शर्मा का कला–चिंतन एवं समीक्षा दृष्टि।

डॉ. रामविलास शर्मा की इतिहास–दृष्टि एवं भाषा–चिंतन। आलोचक के रूप में

डॉ. रामविलास शर्मा का मूल्याँकन।

5.2– डॉ. नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि। आलोचक के रूप में नामवर सिंह का मूल्याँकन।

निर्देश : HIN(Hon) Core-501

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी आलोचना

1.हिन्दी आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

2.हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3 हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

5..रस मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्र. सभा, वाराणसी।

9.विचार और वितर्क : हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

10.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

20.रस सिद्धान्त : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Fifth Semester
DSC -303
Credit - 4
HINDI UPANYAS
हिन्दी उपन्यास

इकाई एक : उपन्यास की परिभाषा, उपन्यास के तत्व, हिन्दी उपन्यास के प्रकार एवं उनकी विशेषताएँ।

इकाई दो : गबन : प्रेमचंद

इकाई तीन : परख : जैनेन्द

इकाई चार : उसका बचपन : कृष्ण बलदेव वैद्य

इकाई पाँच : महाभोज : मन्नू भंडारी

निर्देश – HIN(Hon) Core-403

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भग्रंथ सूची : हिंदी उपन्यास

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतीय राष्ट्रवाद और प्रेमचन्द : जितेन्द्र श्रीवास्तव , प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
4. प्रेमचंद एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रेमचंद : निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रेमचंद के आयाम, : ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रेमचंद : डॉ0 सत्येन्द्र राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. प्रेमचंद : विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता ,राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली।
11. प्रेमचंद : नरेन्द्र कोहली , वाणी प्रकाशन दिल्ली।
12. प्रेमचंद : एक कृति व्यक्तित्व : जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन दिल्ली।
13 जैनेन्द्र के उपन्यास : परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
14. जैनेन्द्र के उपन्यास मर्म की तलाश : चन्द्रकान्त बांदिवडेकर, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
15. जैनेन्द्र का जीवन दर्शन : कुसम कक्कड़, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
16. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय : राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
17.हिंदी उपन्यास : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा , काशी।
19. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र ,मयूर पेपरबैक्स ए–95 सेक्टर –नौएडा –1

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Fifth Semester
DSM -301
Credit - 3
CHHAYAVADOTTAR HINDI KAVITA
छायावादोत्तर हिन्दी कविता

इकाई एक : हरिवंशराय बच्चन एवं रामधारी सिंह दिनकर

क– हरिवंशराय बच्चन : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1. इस पार–उस पार 2. पथ की पहचान 3. स्वप्न में तुम हो तुम्हीं हो जागरण में।

ख– रामधारी सिंह दिनकर : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1.हिमालय 2. गीत–अगीत 3. प्रभाती।

इकाई दो : शमशेर बहादुर सिंह एवं केदारनाथ अग्रवाल

क– शमशेर : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ :
1. घिर गया समय का रथ 2. बात बोलेगी।

ख– केदारनाथ अग्रवाल : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ :
1. खेत का दृश्य 2. पक्षी दिन ।

इकाई तीन : गिरजाकुमार माथुर एवं भवानी प्रसाद मिश्र

क– गिरजाकुमार माथुर : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1. पन्द्रह अगस्त 2. रात हेमंत की 3 क्वाँर की धूप ।

ख – भवानी प्रसाद मिश्र : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1. **अज्ञात पक्षी** 2. **गीत फरोश** ।

इकाई चार धूमिल एवं सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

क– धूमिल : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ :
1. मोचीराम ।

ख– सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :
1. सुहागिन का गीत 2. सौंदर्य बोध 3. विवशता ।

इकाई पाँच : केदारनाथ सिंह एवं अशोक वाजपेयी

क– केदारनाथ सिंह : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ :
1. **देश और घर** 2. **कुदाल** 3. **भाषा**।

ख– अशोक वाजपेयी : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से तीन कविताएँ :

1 पूर्वजों की अस्थियों में 2 विदा का कोई समय नहीं 3 तोतों से बची पृथ्वी।
(प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : **आधुनिक काव्य संग्रह,** सं. रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

निर्देश : HIN(P) DSE-501 छायावादोत्तर हिंदी कविता

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भग्रंथ सूची छायावादोत्तर हिंदी कविता

1.कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।

2.समकालीन काव्य यात्रा : नन्दकिशोर नवल, किताबघर , नयी दिल्ली।

3. आधुनिक प्रतिनिधि कवि, भाग –1 : डॉ. हरिचरण शर्मा, मलिक एण्ड कम्पनी, 337चौड़ा रास्ता, जयपुर – 03

4. आधुनिक प्रतिनिधि कवि, भाग –2 : डॉ. हरिचरण शर्मा, मलिक एण्ड कम्पनी, 337चौड़ा रास्ता, जयपुर – 03

5. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिका प्रसाद सक्सैना, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

6. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Fifth Semester
DSM -302
Credit - 3

HINDI GADYA KI ANYA VIDHAYIEN

हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ

इकाई एक : आत्मकथा, संस्मरण, भेट वार्ता, रिपोर्टताज, डायरी, व्यंग्य एवं रेखाचित्र की परिभाषा. तत्व एवं विशेषताएँ।

हिंदी में आत्मकथा, संस्मरण एवं रेखाचित्र के उद्‌भव और विकास का सामान्य परिचय।

इकाई दो : रेखाचित्र एवं संस्मरण

1- लछमा (रेखाचित्र) – महादेवी वर्मा

2- निर्मल वर्मा (संस्मरण) – कृष्णा सोबती

इकाई तीन : आत्मकथा और यात्रावृत्त

1- एक कहानी यह भी (आत्मकथा) – मन्नू भंडारी

2- कितने सागर स्वीडन (यात्रावृत्त) – उषा प्रियंवदा

इकाई चार : भेंटवार्ता एवं व्यंग्य

1- जीवन न समाप्त होनेवाला चक्र है और अनुभव उसकी धुरी (भेंटवार्ता) – नासिरा शर्मा

2- धृतराष्ट्र टाइम्स (व्यंग्य) - सूर्यबाला

इकाई पाँच : रिपोर्ताज एवं डायरी

1- एक भी चिड़िया नहीं चहचहाती (रिपोर्ताज) – मृदुला गर्ग

2- अस्तर की कतरनें (डायरी) – अनामिका

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक – विविध गद्य विधाएँ, डॉ. मंजरी त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-211001

निर्देश

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)

HINDI

Fifth Semester

SEC -303

Credit - 2

FIELD WORK

फील्ड वर्क

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Sixth Semester
DSC -351
Credit - 4
SAHITYAKAR VISHESH : KABIRDAS
साहित्यकार विशेष : कबीरदास

इकाई एक : निर्गुण भक्ति काव्य की पूर्वपीठिका। कबीर का व्यक्तित्व और कृतित्व। संत काव्य परंपरा में कबीर का वैशिष्ट्य।

इकाई दो : रूढ़िभंजक और सुधारक कबीर। कबीर की भवित भावना। कबीर का कालबोध।

इकाई तीन : कबीर के निर्गुण का स्वरूप। कबीर की रहस्य साधना। कबीर की दार्शनिक चेतना। कबीर के राम और तुलसी के राम में अंतर।

इकाई चार : कबीर का अभिव्यजंना पक्ष : कबीर की भाषा, अप्रस्तुत विधान, एवं काव्य–रूप आदि।

इकाई पाँच : व्याख्याएँ

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

अ : 'कबीर ग्रंथावली', सं. श्यामसुंदर दास में से आरंभिक पच्चीस साखियाँ ।

ब : 'कबीर ग्रंथावली', सं. श्यामसुंदर दास में से 15 पद :

1.दुलहनीं गावहु मंगलाचार। 2. एक अचंभा देख्या रे भाई। 3.पंडित बाद बदैं ते झूठा। 4. हम न मरैं मरिहै संसारा । 5. काहे री नलनीं तूं कुमिलांनी। 6. का मांगूं कछु थिर न रहाई । 7. हरि जननी मैं बालक तोरा 8.हरिजन हंस दसा लियैं डोलैं। 9. जतन बिन मृगनि खेत उजारे। 10. अवधू जागत नीदं न कीजै। 11.. हे हरि जन थैं चूक परी। 12. ऐसे लोगनि सूं का कहिए।13. मन रे तन कागद का पुतरा। 14. पांडे कौंन कुमति तोहि लागी।15. एक अचंभा देखा रे भाई।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।

2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. कबीर और उनका दर्शन : डॉ0 रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, न0 दिल्ली।
3. कबीर : विजयेन्द्र स्नातक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कबीर की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
5. कबीर के आलोचक : डॉ0 धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. कबीर परिचर्चा : , कल्यामल लोढ़ा, रामनाथ तिवारी, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दरियागंज, नयी दिल्ली – 2
7. कबीर काव्य कोश : वासुदेव सिंह, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दरियागंज, नयी दिल्ली – 2
8. हिंदी की निर्गुण काव्ययधारा और कबीर : डॉ0 राजदेव सिंहः आलेख प्रकाशन, नवीन शाहदरा, दिल्ली32
9. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. भवित आंदोलन इतिहास और संस्कृति : संपादक , कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. भक्तिकाव्य और लोक जीवन : शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13 .भवित काव्य का समाजशास्त्र : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
14. भक्ति काव्य की भूमिका : प्रेमशंकर ,राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली।
15. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Sixth Semester
DSC -352
Credit - 4
SAHITYAKAR VISHESH : PREMCHAND
साहित्यकार विशेष : प्रेमचंद

इकाई एक : उपन्यास
निर्धारित उपन्यास : 1. गबन

इकाई दो : उपन्यास
निर्धारित उपन्यास : 1. कर्मभूमि

इकाई तीन : कहानियाँ :
निर्धारित पाँच कहानियाँ : 1. ईदगाह, 2 नशा , 3 .शतरंज के खिलाड़ी 4. सद्गति
प्रस्तावित कहानी संग्रह : ' शतरंज के खिलाड़ी' सं. नन्दकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।

इकाई चार : कहानियाँ :
निर्धारित पाँच कहानियाँ : 1 सवा सेर गेहूँ, 2 पंच–परमेश्वर 3. बूढ़ी काकी 4. नमक का दरोगा
प्रस्तावित कहानी संग्रह : ' शतरंज के खिलाड़ी' सं. नन्दकिशोर आचार्य
, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।

इकाई पाँच : निबंध :
निर्धारित दो निबंध : साहित्य का उद्देश्य, 2. महाजनी सभ्यता

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम

उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।

4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ :

1.हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3.भारतीय राष्ट्रवाद और प्रेमचन्द : जितेन्द्र श्रीवास्तव, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।

4.प्रेमचंद एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

5.प्रेमचंद : निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

6.प्रेमचंद के आयाम, : ए अरविंदक्षान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

7.प्रेमचंद : डॉ0 सत्येन्द्र राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.गोदान : राजगुरू ,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

9.प्रेमचंद : विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता ,राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10.कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

11.प्रेमचंद : नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

12.प्रेमचंद : एक कृति व्यक्तित्व : जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन दिल्ली।

13.कहानी : नयी कहानी : डॉ0 नामवर सिंह,लोकभारती द्वारा राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

14. हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति : डॉ0 हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

15. कहानी अनुभव और अभव्यक्ति : राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Sixth Semester
DSC -352
Credit - 4
LOK SAHITYA
लोक साहित्य

इकाई एक : लोक साहित्य अवधारणा एवं स्वरूप

– लोक की अवधारणा। 'फोकलोर' शब्द की अवधरणा। लोक–संस्कृति और लोक साहित्य। लोक–साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण।
– लोक–साहित्य का वर्गीकरण : लोक–गीत, लोक–गाथा, लोकनाट्य और लोकसुभाषित। लोक साहित्य का महत्व।

इकाई दो : लोकगीत

– लोकगीत और उनका वर्गीकरण : संस्कारों की दृष्टि से, ऋतुओं की दृष्टि से, व्रतों के आधार पर, श्रम के आधार पर, देवी–देवताओं आदि के आधार पर तथा उनकी सोदाहरण विशेषताएं

इकाई तीन : लोक–गाथा एवं लोक कथा

–लोक–गाथा का स्वरूप। लोक–गाथाओं की विशेषताएँ। लोक–गाथाओं के प्रकार।
– लोक–कथा का स्वरूप एवं परंपरा। लोक कथाओं का वर्गीकरण। लोककथाओं की शेषताएँ।

इकाई चार : लोक–नाट्य

– लोक नाट्य का स्वरूप। लोक नाट्यों की विशेषताएँ।

इकाई पाँच : लोक – सुभाषित

– लोकोक्तियाँ, मुहावरे,, पहेलियाँ, पालने के गीत, बाल–गीत एवं खेल के गीत।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ :

1 . लोक साहित्य की भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रा.लिमिटेड, के.पी.कक्कड. रोड, इलाहाबाद।

2. भारतीय लोक साहित्यः परम्परा और परिदृश्य : डॉ. विद्या सिन्हा

3 . लोक साहित्य , डॉ. सत्येन्द्र

4 . हिंदी का जनपदीय साहित्य, डॉ. विद्यानिवास मिश्र

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Sixth Semester
DSC -354
Credit - 4
HINDI NIBANDHA AUR GADYA KI ANYA VIDHAYIEN
हिन्दी निबन्ध और गद्य की अन्य विधाएँ

इकाई एक : – निबंध का स्वरूप, निबंध के तत्व, निबंध के प्रकार एवे उनकी विशेषताएँ।
–**व्यंग्य**, आत्मकथा, संस्मरण एवं रेखाचित्र की परिभाषा,तत्व एवं विशेषताएँ।
– हिंदी में निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण एवं रेखाचित्र के उद्‌भव और विकास का सामान्य परिचय।

इकाई दो : निबंध

प्रस्तावित पाठ पुस्तक से प्रस्तावित तीन निबंध :

1. साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है : बालकृष्ण भट्‌ट
2. उत्साह : रामचंद्र शुक्ल
3. गेहूँ बनाम गुलाब : रामवृक्ष बेनीपुरी

प्रस्तावित पाठ पुस्तक : निबंध–संकलन, संपादक : डॉ.रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई तीन : निबंध

प्रस्तावित पाठ पुस्तक से प्रस्तावित तीन निबंध :

1. हमारी श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा
2. अशोक के फूल, लेखक : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. सदाचार का तावीज, लेखक : हरिशंकर परसाई

पाठ्य पुस्तक : निबंध– संकलन, संपादक : डॉ.रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई चार : **व्यंग्य** और आत्मकथा

1.भूत के पांव पीछे – हरिशंकर परसाई

2. एक कहानी यह भी – मन्नू भंडारी

प्रस्तावित पाठ पुस्तक : गद्य वीथिका , संपादक डॉ. उमाशंकर तिवारी एवं डॉ. पृथ्वीपाल पांडेय
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, 21 – ए, दरियागंज नई दिल्ली–2

इकाई पाँच : संस्मरण और रेखाचित्र

1. मैथिलीशरण गुप्त, लेखक : रायकृष्ण दास
2. पुरुषोत्तम दास टण्डन : रामनाथ सुमन
3. भक्तिन, लेखिका : महादेवी

प्रस्तावित पाठ पुस्तक : गद्य वीथिका , संपादक डॉ. उमाशंकर तिवारी एवं डॉ. पृथ्वीपाल पांडेय प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, 21 – ए, दरियागंज नई दिल्ली–2

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी निबंध और गद्य की अन्य विधाएं

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा , काशी।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र(सं.) ,मयूर पेपरबैक्स ए–95 सेक्टर –नौएडा –1
3.. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
4.. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5.. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य : विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन जगत् : प्रो0 के0 डी0 पालीवाल, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी : उषा सिन्हा, किताबघर, नयी दिल्ली– 17

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Sixth Semester
DSM -351
Credit - 3
BHASHA SHIKSHAN
भाषा-शिक्षण

इकाई एक : भाषा-शिक्षण की अवधारणा

1.1 – भाषा-शिक्षण से अभिप्राय । भाषा-शिक्षण के संदर्भ में मातृभाषा और अन्य भाषा आदि की संकल्पना।

1.2– मातृभाषा भाषा-शिक्षण के उद्देश्य तथा द्वितीय भाषा शिक्षण के उद्देश्य।

इकाई दो : भाषा अधिगम और शिक्षण

2.1 – भाषा अधिगम की संकल्पना। भाषा–शिक्षण की प्रक्रिया। भाषा–अधिगम और शिक्षण की संबद्धता। भाषा-अधिगम और शिक्षण की विशेषताएँ।

2.2– द्वितीय भाषा अधिगम की संकल्पना और प्रक्रिया। मातृभाषा तथा द्वितीय भाषा अधिगम और अध्यापन में आधारभूत भिन्नताएँ।

2.3– मातृभाषा और द्वितीय भाषा के अधिगम और शिक्षण संबंधित समस्याएँ।

इकाई तीन : भाषा-कौशल और उनका शिक्षण

3.1 – भाषाई कौशल : संकल्पना और महत्व

3.2 – भाषाई कौशल के निम्नलिखित प्रकारों का अर्थ, महत्त्व तथा उसे विकसित करने की प्रक्रिया :

(क) श्रवण-कौशल
(ख) भाषण-कौशल
(ग) वाचन-कौशल
(घ) लेखन-कौशल

इकाई चार : द्वितीय भाषा–शिक्षण की विधियाँ

4.1 – द्वितीय भाषा–शिक्षण की प्रमुख विधियों का सामान्य परिचय(केवल अवधारणा, विशेषताएँ एवं सीमाएँ) :

(क) व्याकरण अनुवाद विधि,
(ख)प्रत्यक्ष
(ग)सरंचना–विधि,
(घ)समन्वित विधि

इकाई पाँच : भाषा–मूल्यांकन तथा परीक्षण

5.1– भाषा–मूल्यांकन तथा परीक्षण की संकल्पना तथा उद्देश्य।

5.2 – भाषा परीक्षणों के प्रकार तथा अच्छे परीक्षण की विशेताएँ।

5.3 –हिंदी भाषा शिक्षण के संदर्भ में परीक्षण तथा मूल्याँकन।

निर्देश : HIN (Hon) SEC - 404 BHASHA SHIKSHAN भाषा – शिक्षण

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से तीन-तीन लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 2 अंक (10 X 2 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : भाषा – शिक्षण

1. भाषा शिक्षण सिद्धांत और प्रविधि : मनोरमा गुप्ता, केंद्रीय हिंदी संस्थान, संस्थान मार्ग, आगरा–5
2. भाषा शिक्षण : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, 21–ए, दयिागंज, नई दिल्ली–02
3. हिंदी संरचना का अध्ययन–अध्यापन : लक्ष्मीनारायण शर्मा, कंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
4. अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष : अमर बहादुर सिंह, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

भाषा मूल्यांकन और परीक्षण : किशोरी लाल शर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा।